आदर्श जनसंख्या के सिद्धान्त की आलोचनाएँ
(Criticisms of the optimum Theory of populations)

आदर्श जनसंख्या के सिद्धान्त के विरुद्ध निम्नलिखित आलोचनाएँ की जाती है :-

(1) वस्तुतः यह सिद्धान्त जनसंख्या का कोई सिद्धान्त नहीं है (Actually this theory is not a theory of population) :- कुछ अर्थशास्त्रियों का विचार है कि आदर्श जनसंख्या का सिद्धान्त वास्तव में जनसंख्या का कोई सिद्धान्त नहीं है, क्योंकि वह जनसंख्या में वृद्धि अथवा कमी की प्रवृत्तियों के कारणों की व्याख्या नहीं करता। यह सिद्धान्त केवल इतना ही बतलाता है कि आदर्श जनसंख्या वह है जिससे देश के प्राकृतिक साधनों का समुचित प्रयोग होता है तथा प्रति व्यक्ति आय अधिकतम होती है। लेकिन इससे जनसंख्या की वृद्धि अथवा कमी की प्रवृत्ति के क्या कारण है इसका कुछ भी पता नहीं चलता।

(2) आदर्श जनसंख्या का पता लगाना कठिन है (It is difficult to find out the optimum population) :- इस सिद्धान्त की सबसे बड़ी कठिनाई तो यह है कि स्वयं आदर्श जनसंख्या (optimum population) का ही पता लगाना कठिन है। यह सिद्धान्त केवल इतना ही बतलाता है कि आदर्श जनसंख्या वह है जिससे देश का उत्पादन अधिकतम होता है तथा प्रति व्यक्ति आय अधिकतम होती है। लेकिन उत्पादन में अनेक वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन सम्मिलित होता है तथा ऐसा कोई मापदण्ड नहीं है जिसके द्वारा यह पता लगाया जाय कि देश में अधिकतम उत्पादन की स्थिति आयी है अथवा नहीं। यही नहीं, देश की आदर्श जनसंख्या को जानने के लिए अन्य साधनों को स्थिर मानना होगा जो ठीक नहीं। इस प्रकार किसी देश के लिए आदर्श जनसंख्या क्या होगी, इस बात का पता लगाना कठिन है जिससे इस सिद्धान्त का आधार एवं इसके प्रयोग की संभावना समाप्त हो जाती है।

(3) जनाभाव तथा जनाधिक्य का पता लगाना भी कठिन है (It is also difficut to find out under population and over population) :- यदि जनसंख्या में कमी करने से प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हो तो यह स्थिति जनाधिक्य का सूचक होती है। लेकिन समस्या तो यह है हम ऐसा कर ही नहीं सकते। उसी प्रकार यदि जनसंख्या को बढ़ाने से प्रति व्यक्ति आय बढ़े तो वह स्थिति जनाभाव का सूचक होती है। लेकिन यहाँ भी हम जनसंख्या में तुरन्त वृद्धि नहीं कर सकते। इस प्रकार जनाभाव तथा जनाधिक्य की स्थिति का पता लगाना भी कठिन है।

Scanned with CamScanner

(4) इस सिद्धान्त का कोई व्यावहारिक महत्त्व नहीं है (This theory has got no practical importance) :- इस सिद्धान्त का कोई व्यावहारिक महत्त्व नहीं है इसके अन्तर्गत आदर्श जनसंख्या का पता लगाना कठिन है। साथ ही आदर्श जनसंख्या की कसौटी के अनुसार अल्पकाल में जनसंख्या में कमी या वृद्धि भी नहीं की जा सकती। इस सिद्धान्त के द्वारा जनाभाव तथा जनाधिक्य का पता लगाना भी कठिन है। अतः कहा जाता है कि इस सिद्धान्त की सबसे बड़ी कमी यह है कि इसका कोई व्यवहारिक महत्त्व नहीं है।

(5) यह सिद्धान्त आर्थिक स्थिति में परिवर्तन के प्रभावों की अवहेलना करता है (The theory ignores the effects of changes in economic situation) — आदर्शतम जनसंख्या का सिद्धान्त इस मान्यता पर आधारित है कि आर्थिक स्थिति पूर्ववत रहती है। आदर्श जनसंख्या को जानने के लिए यह अन्य साधनों को स्थिर मानता है लेकिन हम जानते हैं कि अर्थव्यवस्था स्थायी न होकर गतिशील (dynamic) है जिससे जनसंख्या, पूँजी औद्योगिक संगठन, उत्पादन की तकनीक, वस्तु की माँग आदि में परिवर्तन होते रहते हैं। इन आर्थिक स्थितियों में परिवर्तन का प्रभाव यह होगा की सर्वोत्तम बिन्दु में भी परिवर्तन होते रहेगा जिसके चलते सर्वोत्तम जनसंख्या की मात्रा को निर्धारित करना कठिन हो जायेगा। लेकिन आदर्शतम जनसंख्या का सिद्धान्त आर्थिक स्थिति में परिवर्तन के प्रभावों की अवहेलना करता है।

(6) यह सिद्धान्त केवल अधिकतम प्रति व्यक्ति आय की चर्चा करता है लेकिन आय के वितरण पर ध्यान नहीं देता (This principle talks of the maximum per capita income only but does not pay attention to the distribution of income) — यह सिद्धान्त केवल अधिकतम प्रति व्यक्ति आय की ही चर्चा करता है लेकिन आय के वितरण पर ध्यान नहीं देता। हम जानते हैं कि प्रति व्यक्ति आय अधिकतम दिखते हुए भी लोगों के आर्थिक कल्याण में वृद्धि नहीं हो सकती यदि आय का न्यायोचित वितरण (Equitable distribution) न हो। अतः आय का न्यायोचित वितरण होना भी आवश्यक है।

(7) यह सिद्धान्त जनाधिक्य को कम करने के उपाय नहीं सुझाता (This principle does not suggest measures to check over population):- आदर्श जनसंख्या का सिद्धान्त यह भी नहीं बतलाता है कि जनाधिक्य की स्थिति में किस प्रकार जनसंख्या में कमी लायी जा सकती है।

उपर्युक्त आलोचनाओं के कारण ऐसा कहा जाता है कि इस सिद्धान्त का कोई व्यावहारिक महत्व नहीं है। अतः इन आलोचनाओं के बावजूद आदर्श जनसंख्या का सिद्धान्त अवश्य ही महत्व रखता है।

Scanned with CamScanner